प्रदूषण

उर्वशी गुप्ता
कक्षा – '10'

"दूषित वायु, दूषित जल
कैसे हो जीवन मंगल
क्षीण आयु, क्षुब्ध जल
कैसे हो जीवन सफल।"

हरी–भरी धरती भारत की
निर्मल था नदियों का जल
अब सूखा पर्यावरण हुआ है
प्रदूषित है नदियों का जल ।।

(संदेश)
"वृक्षों के बिना जीवन सूना,
हरियाली बिन खेत है सूना।
खेत लगाओ वृक्ष उगाओ,
जीवन अपना सफल बनाओ।"

वृक्ष कटे, वन भी कटे,
बढ़े विज्ञान के जब चरण
दया घटी, ममता घटी,
मानवता से दूर हुए मानव।।"

वृक्षारोपण करो बन्धुवर,
स्वच्छ साँस की करो पहचान।
मानव जीवन बहुमूल्य है
अपनाओ वृक्षारोपण कार्य महान्।

हिन्दी विश्व की सर्वाधिक सम्पन्न भाषा संस्कृत की ज्येष्ठ पुत्री है।